

Worksheet-8

Subject: - Hindi

Class: - VIII

Teacher: - Mrs. Meera

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: 28.04.2020

कार्य पत्र-8

कक्षा- 8

विषय-हिंदी

दिनांक:28.4.20

अनुक्रमांक ---

अध्यापिका - मीरा डिमरी

पाठ 1 (कविता) भविष्यत

- निम्नलिखित कार्य सफाई से कीजिए तथा मात्राओं पर पूर्ण ध्यान दीजिए।
- दिए गए माइंड मैप को सुंदर व आकर्षक रंगों द्वारा पूर्ण कीजिए।

माइंड मैप

पूर्वजों से सीखना है—

- जीने-मरने की कला
- उनके पदचिहनों पर चलना और अपने गौरव को बनाए रखना

भविष्यत

हम सबको क्या बनना है ?

- सुख और शांति लाने के उद्देश्य का साधक
- हंस की तरह चतुर और विवेकी
- एक-दूसरे के सुख-दुख का भागी
- देश-प्रेमी

क्या छोड़ना है ?

- रुढ़ियाँ, चाहे वे पुरानी हों या नई

1. काव्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

प्राचीन हों कि नवीन छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी,
बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस जैसी चातुरी।
प्राचीन बातें ही भली हैं यह विचार अलीक है,
जैसी अवस्था हो जहाँ वैसी व्यवस्था ठीक है ॥

क. कवि प्राचीन या नवीन रूढ़ियों को क्यों छोड़ना चाहता है?

.....

ख. हमें अपने जीवन में हंस जैसी चातुरी दिखानी चाहिए— कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

.....

ग. 'प्राचीन बातें ही भली हैं यह विचार अलीक है'— इस पंक्ति से कवि हमारी किस मानसिकता की ओर संकेत कर रहा है?

.....

भाव स्पष्ट कीजिए—

क. साधक बनें सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के।

ख. देकर उन्हें सहाय्य भरसक सब विपत्ति व्यथा हरो।

ग. जैसी अवस्था हो जहाँ वैसी व्यवस्था ठीक है।

2 संक्षेप में उत्तर लिखिए-

क. हमें किस दीपक को नहीं बुझने देना है?

ख. हमारे जीवन का उद्देश्य क्या होना चाहिए?

ग. दूसरों के दुख का अनुभव कैसे किया जा सकता है?

1- काव्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखो -

(क) कवि प्राचीन या नवीन रूढ़ियों [कुरीतियों] को इन्हें लिख देना चाहता है क्योंकि इन कुरीतियों तथा रूढ़िवादिता से समाज का विकास संभव नहीं है।

(ख) जिस प्रकार हम अपनी चतुराई से तथा विवेक से दूध और पानी को अलग कर सकता है और दूध को सेवन कर लेता है, उसी प्रकार हमें भी सही और गलत की पहचान अपने विवेक [बुद्धि] से करना चाहिए।

(ग) प्राचीन बातें उस समय के परिपेक्ष्य में सही थी लेकिन अब हमें उन पुरानी मानसिकता को छोड़कर नवीन सकारात्मक मानसिकता को अपनाना चाहिए।

संक्षेप में उत्तर

(क) हमें पूर्वजों के गौरव दीप [अच्छी शिक्षाओं] को याद रखना है उन्हें बुझने नहीं देना है।

(ख) अपनी समृद्ध संस्कृति, विरासत और पूर्वजों के सत्कर्मों की परंपरा को आगे बढ़ाना ही हमारे जीवन का उद्देश्य होना चाहिए।

(ग) जब हमारे मन में एक-दूसरे के लिए प्रेम तथा सौहार्द की भावना होगी तभी हम दूसरों के दुख का अनुभव कर सकेंगे।

28.4.20

संवाद लेखन

H.W.

"ऑन लाइन कक्षा के बारे में अपने मित्र से वार्तालाप करिये।"